LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No. 14 June

दैनिक भास्कर 25/06/2024

City भास्कर

भोपाल • मंगलवार, 25 जून 2024

म्यूजिकल क्यूआर
आज देखिए, पिक्चर्स ऑफ द वीक...
4

मूड लैंप • प्रोडक्ट डिजाइनिंग के स्टूडेंट्स ने शैडोज और लाइट्स के साथ अलग-अलग इमोशंस में लैंप किए डिकोड

एसपीए के स्टूडेंट्स ने तैयार किए इमोशंस को रिफ्लेक्ट करते लैंप... किसी ने लैंप में दिखाया मां का प्यार, तो किसी ने पैरेंट्स की केयर

सिटी रिपोर्टर। घर हो, रेस्त्रां हो या कोई प्ले जोन... हर जगह हमें लाइट्स के बहुत से प्रयोग देखने को मिलते हैं। घरों में भी अब मूड के हिसाब से लाइट और कलर्स बदलने जैसी टेक्नोलॉजी आ गई है। इस बीच, लाइट्स लोगों के इमोशंस को किस तरह से रिफ्लेक्ट और चेंज कर सकती हैं, यह अपने आप में काफी इंट्रेस्टिंग सब्जेक्ट बन जाता है। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के प्रोडक्ट डिजाइनिंग के स्टूडेंट्स ने भी हाल ही इमोशंस को रिफ्लेक्ट करते हुए मूड लैम्प तैयार किए। इनमें कुछ लैंप मां की केयर और प्यार का प्रतीक हैं, तो कुछ में पेरेंट्स के हमेशा साथ होने और कुछ गुस्से को दिखाते हैं। शैडोज और लाइट्स के साथ अलग-अलग इमोशंस को स्टूडेंट्स ने लैंप में कैसे किया डिकोड, हमने उन्हीं से जानी इसकी जर्नी।

पैरेंट्स के प्यार का अहसास

अतुल विनायक ने बताया- मैंने टेबल लैंप डिजाइन किया। यह उनके लिए है, जो पैरेंट्स के साथ उनके अफेक्शन को मिस करते हैं या हर वक्त उनके प्यार की छांव में रहना चाहते हैं। लैंप का शेप ऐसा है, मानो पैरेंट्स ने आपका हाथ पकड़ा हुआ हो। इसका निचला हिस्सा जो उस मुट्ठी को होल्ड करता है, उसे मजबूत बनाया है, जो स्ट्रेंग्थ का प्रतीक होने का अहसास दिलाए।

मां के आंचल से इंस्पायर्ड लैंप, इसमें केयर है

तितिख्या मलिक ने बताया- लैंप डिजाइन के लिए मैंने बेसिक पिक्चर एक मां की ली, जो घूंघट ओढ़े हुए है और बच्चे को संभाल रही है। मां के उसी आंचल को मैंने डिजाइन में डिकोड किया और पीली रोशनी के साथ ऐसा लैंप बनाया, जो मां और बच्चे के बीच बॉन्डिंग और केयर को दिखा सके। पेपर स्ट्रिप्स से तैयार लैंप को यलो व पिंक के बीच का शेड दिया, जो केयर का रिफ्लेक्शन कर सके।

गेमिंग जोन के लिए बनाया गुस्से वाला लैंप

सृजन चटर्जी ने बताया- यह एक डिजाइन प्रिंसिपल्स को समझने और डिजाइन को एक्सप्लोर करने के लिए दिया गया प्रोजेक्ट था, जिसमें हमें इमोशंस को फिजिकल फॉर्म में लेकर आना था। मैंने गुस्से को डिजाइन में डिकोड किया है। मैंने गुस्से और कॉन्फिडेंस को अपना इमोशंस का बेस चुना। इस लैंप को किसी गेमिंग स्टूडियो में इस्तेमाल किया जा सकता है।